पाठ 3

कुछ खास हैं हम

यदि आपकी आँखों पर पट्टी बाँध दी जाए और फिर कहा जाए कि अपनी किताब पढ़ो, क्या आप पढ़ पाएँगी? आपका उत्तर होगा– नहीं। लेकिन दुनिया में ऐसे बहुत से लोग हैं जो देख नहीं पाते लेकिन पढ़ाई कर लेते हैं। हेलन केलर भी आँखों से नहीं देख सकती थी लेकिन एक लेखिका के रूप में जानी जाती है।

चर्चा कीजिए

- जो लोग देख नहीं पाते वे किताबों को कैसे पढ़ते होंगे ?

यह भी कीजिए

एक मोटे कपड़े के थैले में कुछ मिलती–जुलती चीजें, जैसे– अलग–अलग तरह के पेन, पेन्सिल, स्केच पेन आदि रखिए। अपने एक साथी को आँख बंद कर अपना हाथ थैली में डालकर कोई एक चीज पहचानने को कहिए। बारी–बारी से सभी साथी एक–एक चीज को पहचानने का प्रयास करें।

चर्चा कीजिए

- आपने उन चीजों को कैसे–कैसे पहचाना ?

आपने चीजों को छूकर पहचाना होगा। हमारे वे साथी जो देख नहीं पाते वे एक विशेष लिपि की सहायता से छू कर वर्णों को पहचानते हैं। इस लिपि को ब्रेल लिपि कहते हैं।

आओ, जानें ब्रेल लिपि

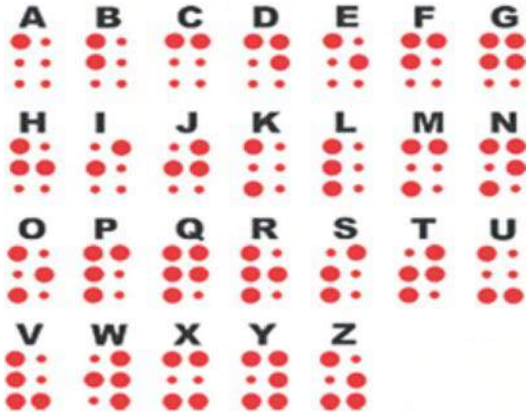

चित्र 3.1 ब्रेल लिपि संकेतन

ब्रेल लिपि में हर अक्षर (जैसे A,B,C....)के लिए विशेष उभरे हुए संकेत होते हैं। चित्रों में इन्हें देखिए। इस लिपि में छः बिन्दुओं से सभी वर्णों की आकृतियों का निर्माण किया जाता है।

चित्र 3.2 स्टाइलस

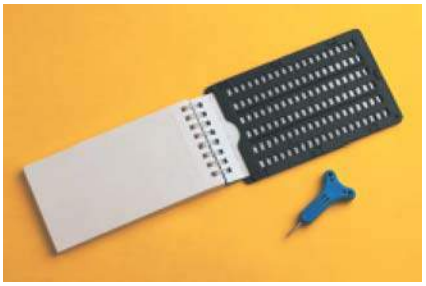

चित्र 3.3 स्केल

एक लकड़ी की स्लेट पर एक मोटा कागज रखा जाता है और उस पर एक विशेष स्केल होता है जिस पर 6–6 बिन्दु (ऊपर दिए चित्र में देखें) का समूह लाइन से बना होता है। कागज पर नुकीली कलम से जो अक्षर लिखना है, उसके अनुसार बिन्दु पर छेद कर दिया जाता है, जैसे– यदि अंग्रेजी भाषा का A वर्ण लिखना है तो बिन्दु 1 पर नुकीली कलम से छेद किया जाता है। इस नुकीली कलम को ''स्टाइलस'' कहते हैं।

कागज पर छेद करने के बाद उसे पलट देते हैं। कागज के इस तरफ अँगुली फेरने पर उभरे हुए बिंदु महसूस होते हैं। इन उभरे छेदों को अँगुली से छू कर पहचाना जाता है कि क्या लिखा हुआ है।

यह भी लिखिए

नीचे ब्रेल लिपि में INDIA लिखा गया है आप भी ब्रेल लिपि चार्ट की मदद से अपना नाम ब्रेल लिपि में लिखिए।

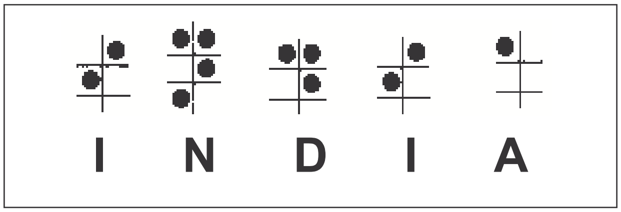

चित्र 3.4 ब्रेल लिपि

शिक्षक निर्देश– बच्चों के साथ विशेष क्षमता वाले व्यक्तियों के जीवन के महत्त्वपूर्ण पहलुओं एवं संवेदनशीलता पर चर्चा कीजिए।

ब्रेल लिपि की कहानी

लुई ब्रेल फ्रांस के रहने वाले थे। एक बार खेलते समय बालक लुई ब्रेल को उनके पिता की कार्यशाला में आँखों में चोट लग गई। इससे आँखों की रोशनी चली गई। लुई ब्रेल एक मेधावी छात्र थे। लुई ब्रेल को विशेष तरीके से अध्ययन कराया जा रहा था। इन पुस्तकों से पढ़ना काफी कठिन काम था क्योंकि इनको पढ़ने में अधिक समय लगता था। इसी बीच एक दिन सेना के कप्तान ने लुई ब्रेल के स्कूल का दौरा किया और उन्होंने अपने द्वारा विकसित 12 बिंदुओं पर आधारित लिपि को छात्रों व शिक्षकों को दिखाया। लुई ब्रेल इस लिपि से बहुत प्रभावित हुए। उन्होंने प्रयास कर 12 बिंदुओं से लिखने के तरीके को 6 बिंदुओं वाले तरीके में बदल दिया। अतः इनके द्वारा तैयार लिपि को ब्रेल लिपि नाम दिया गया।

अभी आपने जाना कि जो देख नहीं सकते हैं वे किस तरह से पढ़ते–लिखते हैं। लेकिन आपने ऐसे लोगों को भी देखा होगा जो बोल व सुन नहीं सकते हैं। ये लोग हाथों के इशारों से बातों को समझते व समझाते हैं। आओ, देखें इशारों से बातें कैसे समझ में आती हैं।

क्या बताया–क्या समझा

कक्षा को दो समूह में बाँट लीजिए। एक समूह से एक साथी बिना बोले केवल हाथ के इशारों से निर्देश देवें जैसे– खड़े हो जाओ, इधर आओ, किताब खोलो आदि। दूसरे समूह के साथी इशारों से दिए निर्देश अनुसार समझकर वह कार्य करेंगे।

जिस प्रकार इशारों से आप निर्देश समझ पाएँ। उसी प्रकार जो लोग बोल व सुन नहीं सकते उनके लिए सांकेतिक भाषा का उपयोग किया जाता है।

नीचे सांकेतिक भाषा के चित्र दिए गए हैं। इन्हें देख कर कक्षा में BOY बिना बोले साथियों को समझाने की कोशिश कीजिए। आप और भी शब्द पूछ सकते हैं।

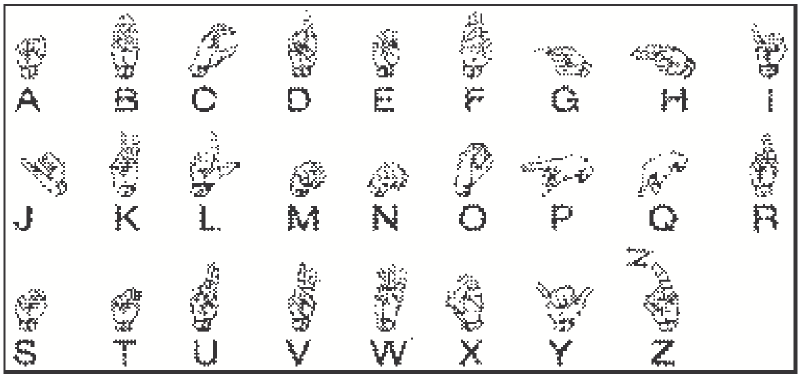

चित्र 3.5 सांकेतिक भाषा

सोचिए और बताइए

- यदि आपकी कक्षा में इस तरह के कोई साथी हो जो देख, बोल नहीं सकते या चल–फिर नहीं सकते तो आप उसकी किस–किस प्रकार से मदद करेंगे?

यह भी कीजिए

- यदि आपके आस–पास के विशेष आवश्यकता वाले बच्चे पढ़ने नहीं आते हैं तो उन्हें प्रेरित कर अपने साथ पढ़ने लाइए।
- भारत के मानचित्र में किन्हीं चार राज्यों की सीमाओं पर मोटा धागा चिपकाइए। अपनी आँखें बंद कर धागे पर अँगुली घुमाते हुए अलग–अलग राज्यों को पहचानने का प्रयास कीजिए, जैसे– राजस्थान, गुजरात, जम्मू–कश्मीर, केरल आदि।
- आपके आस–पास ऐसे कौन लोग हैं, जिन्होंने शारीरिक अक्षमता के बावजूद सफलता अर्जित की ?
- इन लोगों से बातचीत कर जानिए कि उन्होंने किस प्रकार संघर्ष किया?

सेरेब्रल पॉल्सी

जी हाँ, सेरेब्रल पॉल्सी। क्या आपने यह नाम सुना है ? यह एक तरह की बीमारी है। इसमें मरीज के हाथ–पाँव व सभी अंग ठीक होते हैं, परन्तु वे ठीक से काम नहीं करते। इस बीमारी का कारण मरीज के मस्तिष्क का उनके अंगों पर नियंत्रण नहीं होता है जैसे– उनके सामने रखी किताब को वे उठा नहीं सकते।

इस बीमारी में विशेष तरह का व्यायाम आवश्यक है। शारीरिक व्यायाम करने से धीरे–धीरे मस्तिष्क का नियंत्रण शरीर के अंगों पर होने लग जाता है। इसी प्रकार बोलने व लिखने का अभ्यास कराने के लिए भी व्यायाम अलग से होता है। इससे धीरे–धीरे व्यक्ति सामान्य होने लगता है। हालाँकि वह हमारी तरह एकदम सामान्य गति से काम नहीं कर पाता है, फिर भी काफी हद तक सुधार हो जाता है।

शिक्षक निर्देश– यदि संभव हो तो दूरदर्शन पर प्रसारित होने वाले मूक–बधिर के लिए समाचारों को कक्षा में दिखाया जा सकता है।

हमने सीखा

- शारीरिक अक्षमता के बावजूद लोगों में विशेष योग्यता होती है।
- वे लोग जो देख नहीं सकते वे ब्रेललिपि से पढ़ते–लिखते हैं।
- वे लोग जो सुन–बोल नहीं सकते वे सांकेतिक भाषा में बात करते हैं।

जाना–समझा, अब बताइए

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए

- ब्रेल लिपि का विकास .... ने किया था। यह .... बिंदुओं पर आधारित उभरे हुए संकेत होते हैं।
- ब्रेल लिपि लिखने में नुकीली .... काम आती है। नुकीली कलम को .... कहते हैं।
- आपके आस–पास कोई विशेष योग्यजन है तो उनसे बातचीत कर पता कीजिए कि उन्हें कौन–कौनसे कार्य करने में निपूर्णता है?

विशेष योग्यजन के प्रति दया या सहानुभूति नहीं, संवेदन शीलता की आवश्यकता है।